nt>

Title: Need to increase subsidy on agriculture sector in the country-Laid.

श्री जोरा सिंह मान (फिरोजपुर): गत हरित क्रांति के बाद देश के जागृत किसान विशेा कर पंजाब के किसान ने जो कोशल और परिश्रम से काम लिया है उसका लाभ समूचे देश को अनाज के मामले में आत्मनिर्भर बनाकर हुआ है। किंतु जिस वर्ग ने देश को आत्मनिर्भर बनाया वह स्वयं पराधीन होता आज दिखाई दे रहा है। उसके उत्पाद के लिए आज न देश में न विदेश में बाजार अपलब्ध हो रहा है। उसकी मेहनत देशी व विदेशी बाजारों में कोडयों के दामों पर सड़ रही है। परिश्रम ओर पसीना बहा कर उसने अनाज का उत्पादन ही नहीं बढ़ाया उपज दर भी अनेक अनाजों के मामले में विश्व के स्तर पर लाकर खड़ी कर दी है किंतु फिर भी उसका उत्पाद प्रतिस्पर्धा के कारण बाजार से बाहर हो गया है। क्योंकि विश्व के देशों की सरकारें किसान को जो राहत मुहैया कराती है वह इस देश में उपलब्ध नहीं है। अमेरिका जैसे देश में किसानों की सीधी अधिकतम सब्सीडी देकर उन्हें मजबूत और स्वाबलम्बी बनाया जाता है। जब कि हमारे देश में जो मामूली सब्सीडी दी जाती है उसे भी कम करने की बात की जाती है। देश में कृाि उत्पादों की लागत बढ़ती जा रही है और सब्सीडी के साथ साथ उत्पादों की उपभोक्ता कीमतें कम होती जा रही हैं। बेचारा किसान घोर आर्थिक संकट का शिकार होता जा रहा है।

अतः सरकार से आग्रह है कि देश में खेती उत्पादों की लागत को कम करने, सब्सीडी की राशि बढ़ाने और उसे सीधे किसानों को देने के लिए तत्काल कार्यवाही करें।